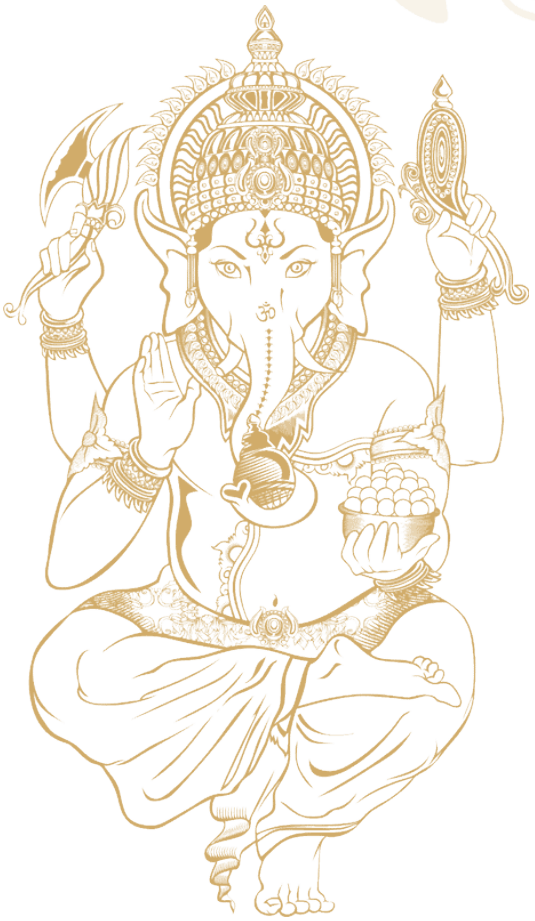

ADITYA

RADHIKA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119926707

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/06/1996	जन्म तिथि	31/08/1998
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:15:00	जन्म समय	10:05:00 घंटे
घटी 06:24:55	जन्म समय(घटी)	09:51:13 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Gua
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:12:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	85:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:02	सूर्योदय	05:30:57
19:10:02	सूर्यास्त	18:06:23
23:48:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 0वर्ष 11मा 2दि	27:56:00	मिथु	लग्न	तुला	15:43:16	बुध 6वर्ष 7मा 20दि
शनि	23:47:07	वृष	सूर्य	सिंह	13:45:04	शुक्र
11/05/2013	19:18:56	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	24:47:34	21/04/2012
11/05/2032	02:57:45	वृष	मंगल	कर्क	12:49:33	21/04/2032
शनि 14/05/2016	00:31:07	वृष	बुध	कर्क	25:34:45	शुक्र 21/08/2015
बुध 22/01/2019	22:03:48	धनु व	गुरु व	मीन	01:16:30	सूर्य 20/08/2016
केतु 02/03/2020	27:50:11	वृष व	शुक्र	कर्क	27:59:57	चन्द्र 21/04/2018
शुक्र 03/05/2023	12:13:37	मीन	शनि व	मेष	09:35:07	मंगल 21/06/2019
सूर्य 14/04/2024	21:16:09	कन्या व	राहु व	सिंह	07:36:12	राहु 21/06/2022
चन्द्र 13/11/2025	21:16:09	मीन व	केतु व	कुंभ	07:36:12	गुरु 19/02/2025
मंगल 23/12/2026	10:24:41	मक व	हर्ष व	मक	15:52:29	शनि 21/04/2028
राहु 29/10/2029	03:32:41	मक व	नेप व	मक	05:59:21	बुध 20/02/2031
गुरु 11/05/2032	07:29:07	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:31:19	केतु 21/04/2032

लग्न-चलित

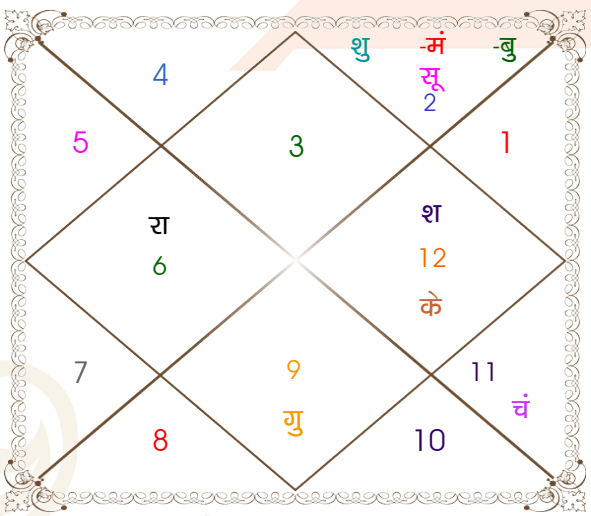

लग्न-चलित

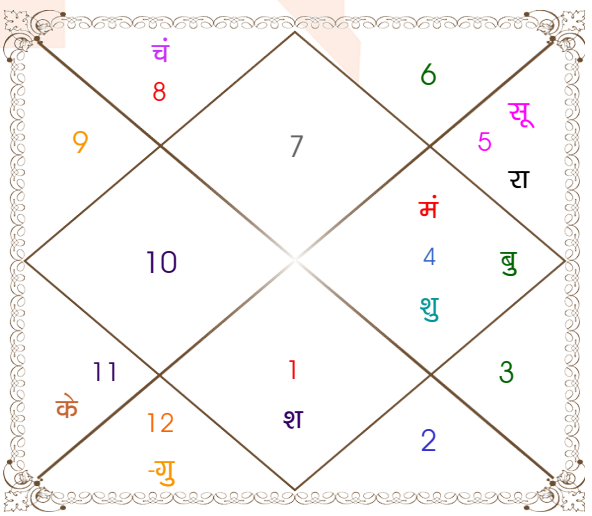

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

।क्प्ज्ल। का वर्ग मेष है तथा त।क्भ्ज्ञ। का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।क्प्ज्ल। और त।क्भ्ज्ञ। का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।क्प्ज्ल। मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।क्प्ज्ल। कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त।क्भ्ज्ञ। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु त।क्भ्ज्ञ। कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्प्ज्ल। तथा त क्भ्ज्ञ। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।